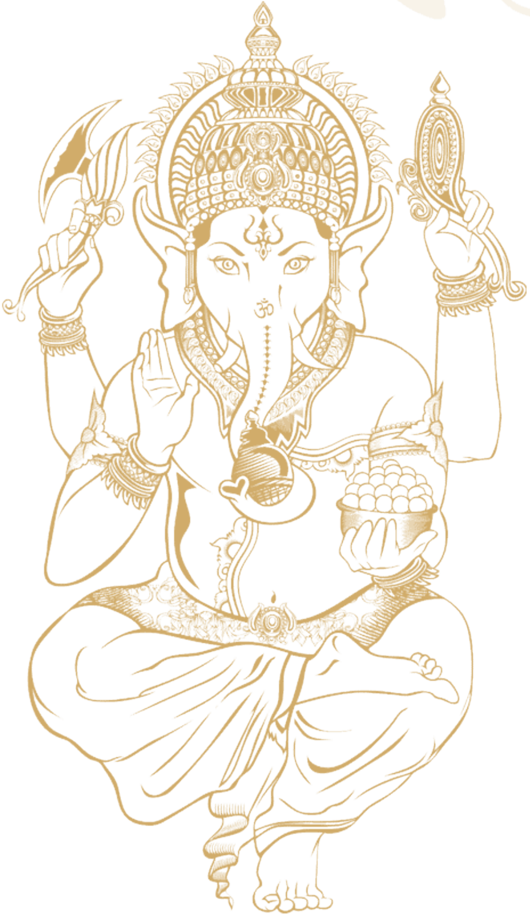

# Mrs.Divysha kumari

19 Feb 2017

11:49 AM

Katihar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121011103

| | |
|---|---|
| लिंग | स्त्रीलिंग |
| **जन्म तिथि** | **19/02/2017** |
| दिन | रविवार |
| **जन्म समय** | **11:49:00 घंटे** |
| इष्ट | 14:02:52 घटी |
| **स्थान** | **Katihar** |
| राज्य | Bihar |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 25:33:00 उत्तर |
| रेखांश | 87:34:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | 00:20:16 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 12:09:16 घंटे |
| वेलान्तर | -00:13:50 घंटे |
| साम्पातिक काल | 22:06:50 घंटे |
| सूर्योदय | 06:11:51 घंटे |
| सूर्यास्त | 17:35:36 घंटे |
| दिनमान | 11:23:45 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | उत्तरायण |
| सूर्य स्थिति(गोल) | दक्षिण |
| ऋतु | वसन्त |
| सूर्य के अंश | 06:41:43 कुम्भ |
| लग्न के अंश | 20:22:23 वृष |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | वृष - शुक्र |
| **राशि-स्वामी** | **वृश्चिक - मंगल** |
| **नक्षत्र-चरण** | **अनुराधा - 3** |
| नक्षत्र स्वामी | शनि |
| योग | व्याघात |
| करण | कौलव |
| गण | देव |
| योनि | मृग |
| नाड़ी | मध्य |
| वर्ण | विप्र |
| वश्य | कीटक |
| वर्ग | सर्प |
| युँजा | मध्य |
| हंसक | जल |
| जन्म नामाक्षर | नू-नूतन |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | ताम्र - ताम्र |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | मीन |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | वृष | 20:22:23 | 357:13:29 | रोहिणी | 4 | 4 | शुक्र | चंद्र | केतु | --- |
| सूर्य | | | कुंभ | 06:41:43 | 01:00:30 | शतभिषा | 1 | 24 | शनि | राहु | राहु | शत्रु राशि |
| चंद्र | | | वृश्चिक | 11:34:12 | 11:52:47 | अनुराधा | 3 | 17 | मंगल | शनि | चंद्र | नीच राशि |
| मंगल | | | मीन | 22:13:57 | 00:44:05 | रेवती | 2 | 27 | गुरु | बुध | चंद्र | मित्र राशि |
| बुध | | अ | मक | 24:28:50 | 01:39:09 | धनिष्ठा | 1 | 23 | शनि | मंगल | राहु | सम राशि |
| गुरु | व | | कन्या | 28:46:51 | 00:02:26 | चित्रा | 2 | 14 | बुध | मंगल | शनि | शत्रु राशि |
| शुक्र | | | मीन | 15:52:08 | 00:27:22 | उ०भाद्रपद | 4 | 26 | गुरु | शनि | गुरु | उच्च राशि |
| शनि | | | धनु | 02:00:21 | 00:04:15 | मूल | 1 | 19 | गुरु | केतु | शुक्र | सम राशि |
| राहु | | | सिंह | 09:17:55 | 00:00:02 | मघा | 3 | 10 | सूर्य | केतु | गुरु | शत्रु राशि |
| केतु | | | कुंभ | 09:17:55 | 00:00:02 | शतभिषा | 1 | 24 | शनि | राहु | गुरु | शत्रु राशि |
| हर्ष | | | मीन | 27:34:37 | 00:02:26 | रेवती | 4 | 27 | गुरु | बुध | गुरु | --- |
| नेप | | | कुंभ | 17:12:09 | 00:02:15 | शतभिषा | 4 | 24 | शनि | राहु | शुक्र | --- |
| प्लूटो | | | धनु | 24:26:04 | 00:01:38 | पूर्वाषाढ़ा | 4 | 20 | गुरु | शुक्र | बुध | --- |
| दशम भाव | | | कुंभ | 05:30:14 | -- | धनिष्ठा | -- | 23 | शनि | मंगल | सूर्य | -- |

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:05:40

## लग्न-चलित

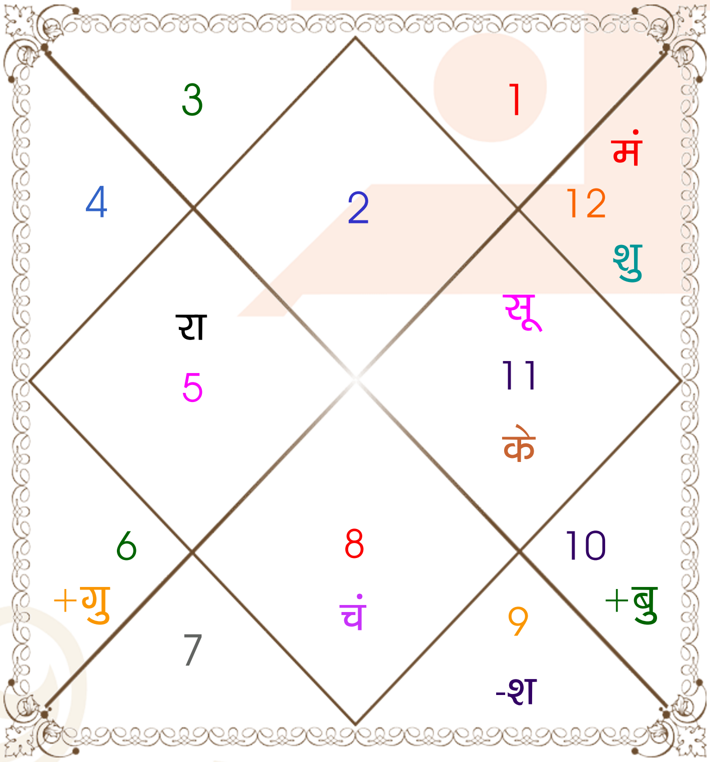


## चन्द्र कुंडली

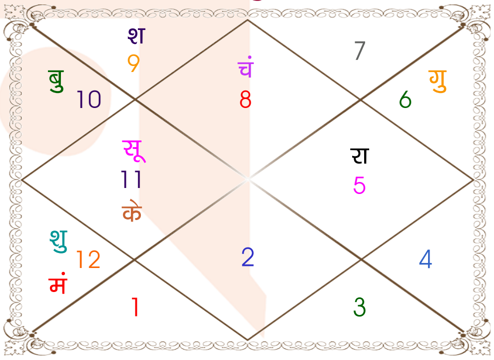


## नवमांश कुंडली

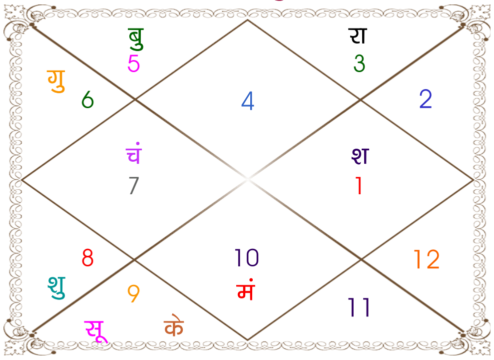

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : शनि 7 वर्ष 3 मास 4 दिन

| शनि 19 वर्ष | बुध 17 वर्ष | केतु 7 वर्ष | शुक्र 20 वर्ष | सूर्य 6 वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| **19/02/2017** | **26/05/2024** | **26/05/2041** | **26/05/2048** | **26/05/2068** |
| **26/05/2024** | **26/05/2041** | **26/05/2048** | **26/05/2068** | **26/05/2074** |
| 00/00/0000 | बुध 22/10/2026 | केतु 22/10/2041 | शुक्र 25/09/2051 | सूर्य 12/09/2068 |
| 00/00/0000 | केतु 20/10/2027 | शुक्र 22/12/2042 | सूर्य 25/09/2052 | चंद्र 14/03/2069 |
| 00/00/0000 | शुक्र 19/08/2030 | सूर्य 29/04/2043 | चंद्र 26/05/2054 | मंगल 20/07/2069 |
| 00/00/0000 | सूर्य 26/06/2031 | चंद्र 28/11/2043 | मंगल 26/07/2055 | राहु 14/06/2070 |
| 19/02/2017 | चंद्र 24/11/2032 | मंगल 25/04/2044 | राहु 26/07/2058 | गुरु 02/04/2071 |
| चंद्र 28/11/2017 | मंगल 22/11/2033 | राहु 14/05/2045 | गुरु 26/03/2061 | शनि 14/03/2072 |
| मंगल 07/01/2019 | राहु 10/06/2036 | गुरु 20/04/2046 | शनि 26/05/2064 | बुध 18/01/2073 |
| राहु 12/11/2021 | गुरु 16/09/2038 | शनि 30/05/2047 | बुध 27/03/2067 | केतु 26/05/2073 |
| गुरु 26/05/2024 | शनि 26/05/2041 | बुध 26/05/2048 | केतु 26/05/2068 | शुक्र 26/05/2074 |

| चंद्र 10 वर्ष | मंगल 7 वर्ष | राहु 18 वर्ष | गुरु 16 वर्ष | शनि 19 वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| **26/05/2074** | **26/05/2084** | **27/05/2091** | **27/05/2109** | **27/05/2125** |
| **26/05/2084** | **27/05/2091** | **27/05/2109** | **27/05/2125** | **00/00/0000** |
| चंद्र 27/03/2075 | मंगल 22/10/2084 | राहु 06/02/2094 | गुरु 15/07/2111 | शनि 30/05/2128 |
| मंगल 26/10/2075 | राहु 09/11/2085 | गुरु 01/07/2096 | शनि 26/01/2114 | बुध 07/02/2131 |
| राहु 26/04/2077 | गुरु 16/10/2086 | शनि 08/05/2099 | बुध 02/05/2116 | केतु 18/03/2132 |
| गुरु 26/08/2078 | शनि 25/11/2087 | बुध 26/11/2101 | केतु 08/04/2117 | शुक्र 18/05/2135 |
| शनि 26/03/2080 | बुध 21/11/2088 | केतु 14/12/2102 | शुक्र 08/12/2119 | सूर्य 29/04/2136 |
| बुध 25/08/2081 | केतु 19/04/2089 | शुक्र 14/12/2105 | सूर्य 26/09/2120 | चंद्र 20/02/2137 |
| केतु 26/03/2082 | शुक्र 20/06/2090 | सूर्य 08/11/2106 | चंद्र 26/01/2122 | 00/00/0000 |
| शुक्र 25/11/2083 | सूर्य 25/10/2090 | चंद्र 09/05/2108 | मंगल 01/01/2123 | 00/00/0000 |
| सूर्य 26/05/2084 | चंद्र 27/05/2091 | मंगल 27/05/2109 | राहु 27/05/2125 | 00/00/0000 |

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 7 वर्ष 3 मा 3 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृष लग्न के उदित काल, कर्क नवमांश एवं मकर द्रेष्काण में हुआ था। आप आश्चर्यजनक उत्साह, आत्मिक शक्ति से युक्त है। आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति में शिला के समान स्थिर रह कर, सांसारिक सुख एवं भोग विलास युक्त जीवन प्राप्त करेंगी।

आप सदैव उद्देश्य की तलाश में अपने लक्ष्य की ओर निश्चित रूप से बढ़ती रहेंगी। आप अपना महत्वपूर्ण कीर्ति स्तंभ निसंदेह रूप से स्थापित करेंगी, क्योंकि आप अपनी योजना के द्वारा ही अपनी कार्य व्यवस्था को उपयुक्त कर लेंगी। आप कभी भी छलांग नही लगाती। आप समय की प्रतिक्षा करती हैं। समय आने पर पूर्वनिर्धारित योजना के अनुरुप कार्य करती हैं। जब आप अपना लक्ष्य निर्धारित कर कार्यारंभ करती हैं तो निश्चित रूप से सभी विषयों की ओर से विमुख होकर, अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील रहती हैं। आप अपने अपरिवर्तित लक्ष्य के प्रति आश्वस्त होकर सफलता पूर्वक प्राप्त कर लेती हैं। क्योंकि आप दिवा स्वप्न द्रष्टा नही हैं। बल्कि कठिन श्रम करके उत्साहपूर्वक उपलब्धि प्राप्त करती हैं। परिणाम स्वरूप आप यथेष्ठ रूप से भौतिकी लाभ बिना किसी भी प्रकार की हानि अथवा बिना अपव्यय किए ही प्राप्त कर लेंगी। आप अपनी धन लोलुप्ता के प्रभाव से तथा कंजूसी से अपने धन संपत्ति में वृद्धि प्राप्त करेंगी।

आप प्रेम संबंधित क्षेत्र में सांसारिक सुख भोग एव विलासिता संबंधी आनंद प्राप्ति हेतु धन व्यय करेंगी। आप यदि समय-समय पर आलस्य करना त्याग दें तो सहजता पूर्वक आनंदमय जीवन की स्थापना कर सकती हैं। अर्थात अपना जीवन आनंदमय बना सकती हैं।

आप में इस बात का अभाव है कि आप अपनी धन प्राप्ति संबंधित महत्वकांक्षा को पूरा करने में असफल हो जाती हैं।

आप शारीरिक रूप से सामान्य कद की गोल-मटोल, मांसल अंगों से युक्त, देहधारी प्राणी हैं। प्रमुख रूप से आपका मस्तक बड़ा एवं आंखे आकर्षक हैं।

आप अपने व्यवसाय के प्रति अभिरूचि युक्त, निष्ठावान होकर धनोपार्जन हेतु शक्ति संपन्नता से व्यस्त, बिना किसी भी व्यवधान के तथा बिना भ्रमित हुए, निर्विवाद होकर सफलता प्राप्ति हेतु व्यस्त रहेंगी।

परंतु यदि आपका कोई शत्रु गलत तरीके से आपके कार्य में बाधा उत्पन्न करता है, तो आप पीछे उलटकर उस पर सांढ़ की तरह क्रोधित होकर कठिन प्रहार करेंगी।

आप शांतिपूर्वक अपने पारिवारिक स्नेहिल जीवन को आरामदायक एवं प्रिय बनाकर रहेंगी।

आप अपने परिवार को अच्दी प्रकार स्थापित करने के मार्ग पर अग्रसर होकर अपने परिवार एवं अपने दांपत्य जीवन के वातावरण को सुखद बनाने के लिए सभी व्यवस्था

करेंगी।

आपका स्वभाव वृषभ राशीय है। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं शरीर हृष्ट-पुष्ट है। परंतु आप स्वभाव से अति संवेदनशील, तथा किसी भी प्रकार के दर्द के प्रति कठिनाई अनुभव करने वाली हैं। यदि आप शारीरिक रूप से किसी भी प्रकार की असमर्थता अनुभव किया तो किसी तरह अंगहीन हो सकती हैं। संप्रति आपकी क्षमता ऐसी है कि आप सामान्य और सीमित रोगों का सामना कर सकती हैं। परंतु आप में शीघ्रता पूर्वक स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति नहीं है। फलस्वरूप आपको पूर्णरूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में विलंब हो सकता है। आप किसी भी प्रकार से सुरक्षित कार्य संपादन में विश्वास रखने वाली प्राणी हैं तथा ऐसा ही करती हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अनुकूल रंग गुलाबी सफेद एवं हरा रंग उत्तमता का प्रतीक है। आपके लिए लाल रंग अच्छा नहीं है। अतः आप लाल रंग को अपघात सूचक समझें।